

विशेष रिपोर्ट अक्टूबर 2021

काँटन, कैस्टर एवं ग्वारसीड



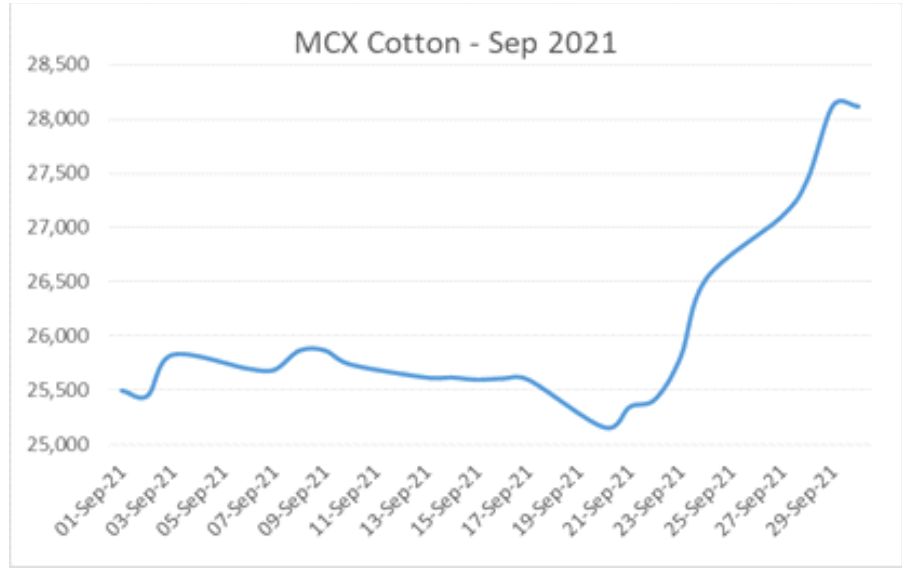
Moneywise. Be wise.

ध्यान दिए जाने वाले कारक

- कटाई के दौरान मौसम का पूर्वानुमान
- नए कपास की मांग और आवक
- अमेरिकी कपास की फसल और निर्यात मांग
- विश्व स्तर पर कपास उत्पादन अनुमान

मुख्य बातें

- इस वर्ष में अभी तक कीमतों में 41.5% वृद्धि हुई है
- देश के अधिकांश हिस्सों में नए सीजन की आवक शुरू
- इस सीजन कपास रकबे में 5 फीसदी की गिरावट, लेकिन पिछले साल के बराबर उत्पादन का अनुमान
- महाराष्ट्र और गुजरात में बेमौसम बारिश से कपास की फसलों को नुकसान पहुंचा है
- 2021/22 के प्रारंभ शुरूआती स्टॉक 82.5 लाख गांठ रहने का अनुमान है



Source: Reuters & SMC Research

- महाराष्ट्र और गुजरात के मुख्य कपास उत्पादक क्षेत्रों में बेमौसम बारिश के कारण उत्पादन में कमी की आशंका से एमसीएक्स में काँटन वायदा सितंबर महीने में 11 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। इसके अलावा, उत्तर भारत में कीटों का हमला भी उत्पादन में कमी के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय था। 11 सितंबर के बाद, कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी गई क्योंकि चीन से निर्यात मांग में वृद्धि और फसल कटाई के दौरान कुछ क्षेत्रों में मौसम की चिंता के कारण अमेरिकी कपास की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई।
- नए मौसम में कपास की आवक उत्तर भारतीय राज्यों पंजाब और हरियाणा के साथ-साथ मध्य और दक्षिण भारत से शुरू हो गई है। वर्तमान में देश भर में मौसम में सुधार हुआ है और साफ आसमान के नीचे कटाई की गई है। आवक अब लगभग 35-40 हजार गांठ तक पहुंच गई है और अक्टूबर के मध्य तक एक लाख से अधिक गांठ की आवक हो जाएगी। फसल कटाई के लिए मौसम बहुत महत्वपूर्ण होगा।
- बाजार सूत्रों का अनुमान है कि बेमौसम बारिश और कीटों के हमले के कारण चालू सीजन में उत्पादन पिछले साल के 354.50 लाख गांठ उत्पादन से कम होगा।
- लेकिन आईसीएसी के अनुसार, भारत का कपास परिदृश्य उज्वल रहने की संभावना है। बाजार का अनुमान है कि 2020-21 के लिए अनुमानित 356 लाख गांठ के मुकाबले 2021-22 के कपास उत्पादन 395 लाख गांठ (प्रत्येक 170 किलोग्राम) होगा। गुजरात के उत्पादक क्षेत्रों में हाल ही में लगातार बारिश के बाद भारी बाढ़ के बावजूद, राज्य में उत्पादन लगभग 105 लाख गांठ होने की संभावना है। कारोबारी सूत्रों का अनुमान है कि बेहतर खपत पर काँटन का कैरी फॉरवर्ड स्टॉक पिछले सीजन की तुलना में लगभग 80 लाख गांठ कम होगा।
- यूएसडीए ने सितंबर की अपनी रिपोर्ट में, 2021/22 फसल वर्ष के लिए अपने उत्पादन अनुमान को 1.72% या आधा मिलियन गांठ घटाकर 28.5 मिलियन गांठ कर दिया, जबकि अंतिम स्टॉक में वर्ष-दर-वर्ष 12.6% की गिरावट हुई।

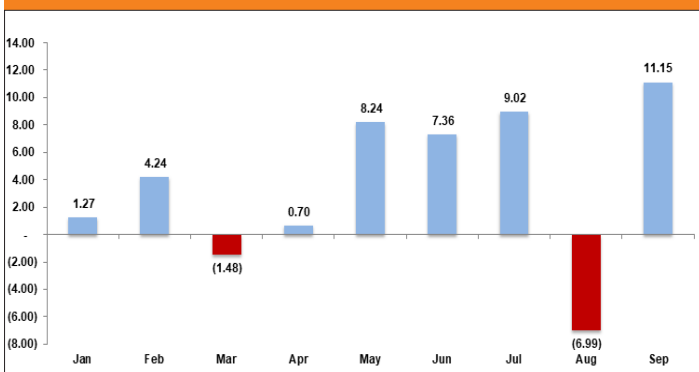
आउटलुक

उत्पादन में कमी और निर्यात की मांग में सुधार की खबरों के कारण वर्तमान में कपास की कीमतों में पिछले सीजन की तुलना में 45% से अधिक की बढ़त के साथ कारोबार हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, चीन सहित उपभोक्ता देशों की ओर से अच्छी मांग के कारण कीमतें 10 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। जबकि नए सीजन में मध्य और पश्चिमी भारत से कपास की आवक सीजन बढ़ने के साथ कपास की कीमतों पर दबाव डाल सकती है। अक्टूबर के महीने में आवक में बढ़ोतरी के साथ कीमतों के 25800-32000 के व्यापक दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

काँटन का टेक्निकल स्तर

काँट्रैक्ट	सपोर्ट 1	सपोर्ट 2	मध्य स्तर	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 2
अक्टूबर	23,610	25,870	7,310	29,570	32000

एमसीएक्स में काँटन वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



काँटन वायदा (एमसीएक्स) का मौसमी चार्ट

	Jan	Feb	Mar	Apr	May	Jun	Jul	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
2021	1.27%	4.24%	-1.48%	0.70%	8.24%	7.36%	9.02%	-3.79%	7.53%	2.38%		
2020	-0.83%	-5.11%	-12.86%	2.15%	-3.46%	-0.26%	4.30%	5.84%	5.81%	5.22%	4.70%	2.19%
2019	-1.01%	-2.33%	4.88%	5.79%	-2.47%	2.95%	-8.36%	1.51%	-4.52%	-1.86%	-2.31%	1.47%
2018	-2.19%	3.61%	-0.83%	1.19%	6.46%	0.83%	1.28%	2.93%	-4.46%	0.64%	-3.14%	-2.44%
2017	5.19%	4.94%	-1.90%	-0.05%	1.50%	-5.54%	5.41%	-10.55%	-0.64%	2.86%	-3.04%	8.71%
AVG	0.49%	1.07%	-2.44%	1.96%	2.06%	1.07%	2.33%	-0.81%	-1.29%	1.85%	-0.95%	2.48%

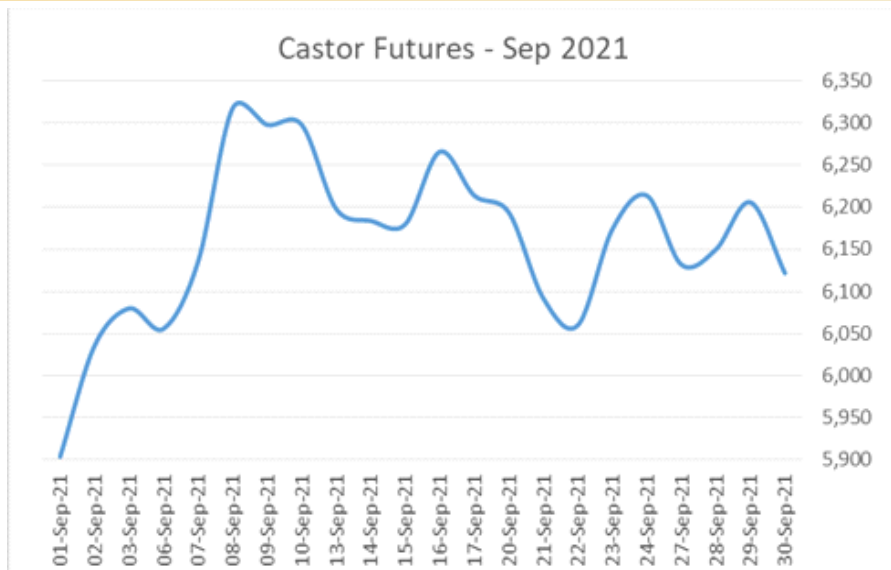
अरंडी बीज (कैस्टर सीड)

ध्यान दिए जाने वाले कारक

- गुजरात में बुवाई का अंतिम क्षेत्र
- अरंडी तेल और मील की निर्यात मांग
- किसान और तेल मिल मालिकों के पास कैरीओवर स्टॉक
- फसल विकास के दौरान मौसम का पूर्वानुमान

मुख्य बातें

- इस वर्ष में अभी तक कीमतों में 37.7% वृद्धि हुई है
- जनवरी-अगस्त अवधि के लिए कैस्टर मील का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 37.3% बढ़ा
- जनवरी-अगस्त अवधि के लिए अरंडी के तेल का निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 10.55% बढ़ा
- सितंबर में बारिश बढ़ने से गुजरात में अरंडी के रकबे में बढ़ोतरी
- 2021-22 में 15.98 लाख टन अरंडी उत्पादन का अनुमान



Source: Reuters & SMC Research

- सितंबर में, कैस्टर सीड वायदा अपने डेरिवेटिव्स - अरंडी तेल और अरंडीमील की लगातार मांग के कारण लगातार चौथे महीने उच्च स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा, गुजरात में पहले तीन महीनों के दौरान कम बारिश से भी अरंडी की कीमतों में तेजी आई है।
- मुख्य उत्पादक राज्य गुजरात में 04 अक्टूबर तक अरंडी का उत्पादन क्षेत्र 6.30 लाख हेक्टेयर रहा है, जबकि पिछले साल इसी समय 6.07 लाख हेक्टेयर था। गुजरात में अरंडी के लिए सामान्य क्षेत्र 6.40 लाख हेक्टेयर है।
- 2021 में पहले 8 महीनों में, देश से लगभग 2.30 लाख टन अरंडीमील का निर्यात किया गया है जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 37.3% अधिक है। अगस्त 2021 में, निर्यात कीमतों में वृद्धि के कारण भारत का कैस्टर मील निर्यात वर्ष-दर-वर्ष 44.7% घटकर 18,160 टन रह गया।
- भारत अरंडी और अरंडी के तेल का विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक है। भारत विश्व स्तर पर लगभग 90% तेल का निर्यात करता है जिसमें चीन प्रमुख खरीदार है। एम्आईए के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2021 के पहले 8-महीने (जनवरी-अगस्त) में भारत का अरंडी तेल निर्यात 10.55% बढ़कर 4.75 लाख टन हो गया। अगस्त 2021 में, भारत का अरंडी तेल निर्यात सालाना 2.63% बढ़कर लगभग 50765 टन हो गया।
- सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार अरंडी का उत्पादन 15.98 लाख टन रहने का अनुमान है, जो पिछले साल की तुलना में 0.5 लाख टन कम है। पिछले वर्ष 2021/21 सीजन के चौथे अग्रिम अनुमान के अनुसार उत्पादन 16.5 लाख टन था।

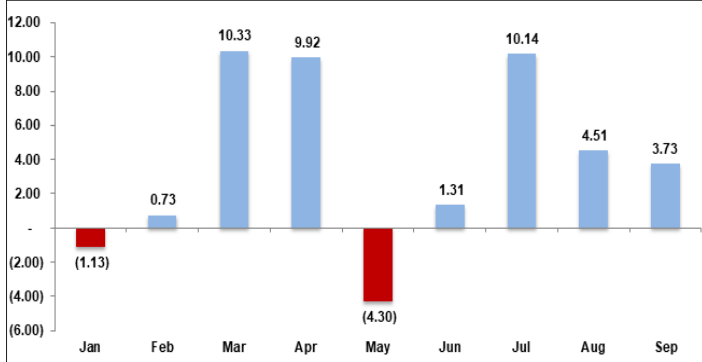
आउटलुक

हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले महीनों में अरंडी के तेल और अरंडीमील की अधिक निर्यात मांग के कारण अरंडी (नवंबर) की कीमतों में तेजी का रूझान बना रहेगा और कीमतों के 6600-6700 के स्तर पर पहुंचने की संभावना है। वर्तमान में, औद्योगिक उपयोग के लिए मजबूत घरेलू मांग के कारण कीमतें पिछले साल की कीमतों की तुलना में 40% अधिक हैं। इसके अलावा, पिछले साल कम उत्पादन के कारण, तेल मिलों और व्यापारियों के पास स्टॉक का स्तर भी कम है।

अरंडीसीड का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	सपोर्ट 1	सपोर्ट 2	मध्य स्तर	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 2
नवम्बर	5,605	5,897	6,179	6,471	6,753

कैस्टरसीड वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



कैस्टरसीड वायदा का मौसमी चार्ट

	Jan	Feb	Mar	Apr	May	Jun	Jul	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
2021	1.27%	1.05%	9.53%	7.47%	-3.57%	1.59%	10.23%	4.66%	4.04%	0.10%		
2020	-6.01%	-4.72%	7.78%	-7.17%	-4.85%	8.45%	2.37%	2.22%	4.29%	6.72%	2.75%	-4.14%
2019	-2.24%	1.91%	0.73%	4.62%	3.26%	-3.82%	3.32%	1.66%	-14.37%	-9.12%	-9.10%	2.85%
2018	-2.34%	-3.34%	0.51%	-3.31%	-1.93%	6.96%	11.04%	0.06%	0.28%	22.73%	-6.73%	-1.65%
2017	30.61%	0.25%	20.33%	-2.45%	-9.83%	3.95%	1.82%	3.15%	0.43%	-4.27%	2.95%	-4.64%
AVG	3.71%	-0.97%	7.78%	-0.17%	-3.38%	3.43%	5.76%	-0.81%	-1.07%	3.23%	-2.53%	-1.89%

ग्वार कॉम्प्लेक्स

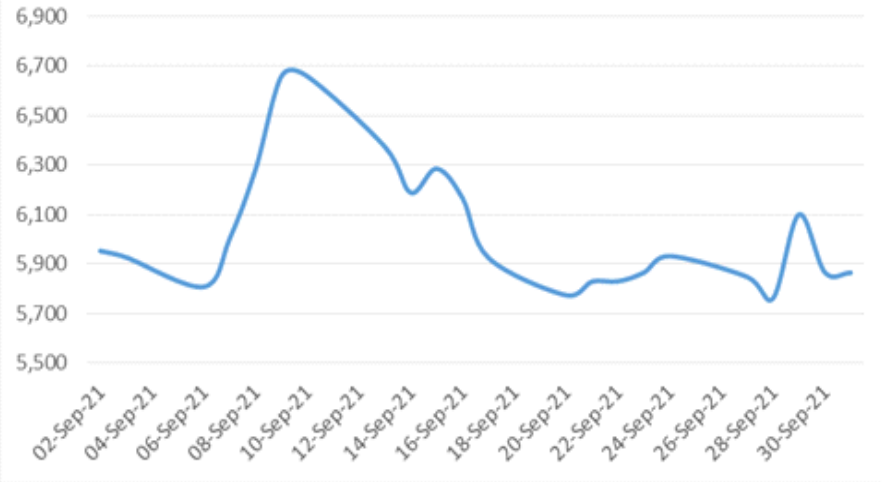
ध्यान दिए जाने वाले कारक

- राजस्थान, गुजरात, हरियाण में बुवाई की प्रगति
- ग्वार गम की निर्यात मांग
- घरेलू बाजार में ग्वार के अन्य उत्पादों की मांग
- किसानों और मिलों के पास कम कैरीओवर स्टॉक

मुख्य बातें

- इस वर्ष ग्वार सीड की कीमतों में 50% की बढ़ोतरी
- राजस्थान और गुजरात मॉनसून के कारण उत्पादन को लाभ
- राजस्थान में ग्वार के रकबे में भारी कमी
- ग्वार के रकबे में लगातार गिरावट के कारण ग्वार सीड के कैरीओवर स्टॉक में साल दर साल गिरावट आ रही है
- तिलहनों की रिकॉर्ड अधिक कीमतों के कारण फीड इंडस्ट्री की ओर से बढ़ती मांग

NCDEX Guarseed - Sep 2021



Source: Reuters & SMC Research

- सितंबर में ग्वारसीड वायदा की कीमतें 34% बढ़त के बाद साइडवेज कारोबार कर रहा है। सितंबर महीने के दौरान कीमतों में 5700 से 6700 के बीच कारोबार हुआ है।
- देश में कम उत्पादन और घटते स्टॉक के कारण इस कैलेंडर वर्ष कीमतों में लगभग 50% की वृद्धि हुई है। अगस्त में कीमतें 6 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं।
- कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और बेमौसम बारिश के कारण कीमतें 5700 से ऊपर कारोबार कर रही हैं जबकि फसल की कटाई हो रही है।
- कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, चालू सीजन में राजस्थान में 02-सितंबर-2021 तक ग्वार का रकबा पिछले साल के 23.85 की तुलना में कम होकर 21.30 लाख हेक्टेयर रह गया है। यह लगातार चौथे साल कम उत्पादन क्षेत्र है। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण अक्टूबर में ग्वारगम के निर्यात में तेजी आने की उम्मीद है।
- ग्वार की खेती जिलों में कम और अनियमित वर्षा के कारण बुवाई क्षेत्र लगभग 3 लाख हेक्टेयर कम हो गया है। राजस्थान में इस कारण भी रकबा कम रहा है क्योंकि किसानों ने तिलहन, कपास या दलहन को प्राथमिकता दी है।
- अधिक स्टॉक और स्थिर कीमतों के कारण राजस्थान में ग्वार का रकबा पिछले कुछ वर्षों में घट रहा है। अब स्टॉक का स्तर कम है और पशु चारा के लिए ग्वार सीड के डेरिवेटिव चुरी और कोरमा की मांग बढ़ रही है। ग्वारमिल का उपयोग पशु आहार के रूप में किया जाता है और स्वाभाविक रूप से प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होता है। सोयाबीन और इसके मील की कीमतों में हाल ही में उछाल के कारण, चारा उद्योग विकल्पों की तलाश में है।
- चूक ग्वार एक कृषि उत्पाद है जो रसायनों या परिरक्षकों के प्रभाव के बिना उगाया जाता है, यह पशु और पोल्ट्री फीड के लिए सबसे अच्छा विकल्प होता है।
- अगस्त माह के दौरान ग्वारगम का निर्यात पिछले वर्ष के निर्यात आंकड़ों की तुलना में 200% अधिक 25350 टन रहा। एपीडा के अनुसार, वित्त वर्ष 2021/22 (अप्रैल-अगस्त) के दौरान ग्वारगम का निर्यात पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 46.8% अधिक हुआ है। वित्त वर्ष 2021/22 के पहले 5 महीने में देश ने पिछले साल के 90,800 टन की तुलना में 1.33 लाख टन ग्वारगम का निर्यात किया।

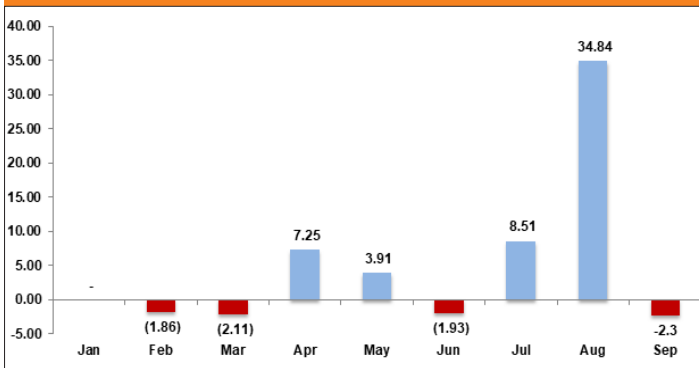
आउटलुक

ग्वारसीड की कीमतें पिछले साल की कीमतों की तुलना में 41% अधिक हैं। जैसे-जैसे हम कटाई के मौसम के करीब आ रहे हैं, ग्वारसीड की कीमतें अगस्त में 6500 से ऊपर पहुंचने के बाद स्थिर हो रही हैं। हम उम्मीद करते हैं कि आने वाले हफ्तों में ग्वारसीड (नवंबर) की कीमतें 5660 के सपोर्ट के साथ 6400 तक बढ़ जाएंगी। चूंकि किसानों को पिछले 4-5 महीनों में अच्छा रिटर्न मिला है और कटाई के मौसम के दौरान आवक दबाव से कीमतें कम हो सकती हैं, लेकिन किसान बेहतर कीमतों के अवसरों के लिए नए ग्वारसीड का स्टॉक कर सकते हैं।

ग्वारसीड का टेक्निकल स्तर

कॉन्ट्रैक्ट	सपोर्ट 1	सपोर्ट 2	मध्य स्तर	रेजिस्टेंस 1	रेजिस्टेंस 2
नवम्बर	5,060	5,460	6,060	6,460	7,060

ग्वारसीड वायदा की कीमतों में मासिक बदलाव (%)



ग्वारसीड वायदा का मौसमी चार्ट

	Jan	Feb	Mar	Apr	May	Jun	Jul	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
2021	0.23%	-1.86%	-2.11%	7.47%	3.91%	-1.93%	6.49%	37.40%	-1.93%	-0.68%		
2020	-6.10%	-7.85%	-9.56%	7.55%	-2.30%	3.97%	5.48%	7.05%	-2.20%	7.39%	-7.63%	-1.34%
2019	0.42%	-4.15%	4.95%	-0.95%	-1.47%	-1.92%	3.14%	-0.76%	-7.93%	3.34%	0.44%	3.37%
2018	13.11%	-7.02%	-3.94%	-7.70%	-4.38%	6.02%	15.50%	-0.99%	-2.23%	7.06%	-6.79%	0.60%
2017	0.68%	15.09%	6.34%	-3.11%	-13.24%	1.04%	6.17%	9.95%	-5.54%	-5.18%	9.60%	5.01%
AVG	1.67%	-1.16%	-0.86%	0.61%	-3.50%	1.44%	7.36%	10.53%	-3.97%	2.39%	-1.10%	1.91%

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402, 4th Floor,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाएँ और संबंधित सेवाएँ करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमिट्यूड नेशनल कर्मांडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कर्मांडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कर्मांडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मंचेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोटीज लिमिटेड सेबी (रिजर्व एनॉलिसट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिजर्व एनॉलिसट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिन्क्रोटीज मार्केट/कर्मांडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निषेधित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिजर्व एनॉलिसटों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिजर्व एनॉलिसट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एल्टू द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कर्मांडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

दिसक्लेमर: यह रिजर्व रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता को व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सन्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विरुद्ध सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उदाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सलाह की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने धिक्के का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कर्मांडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कर्मांडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कर्मांडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकार में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विचार हो सकता है। सभी विचारों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।